एक नजर में

सुभाष वाटिका में पर्यावरण मित्रों ने किया दो घंटे का श्रमदान

नीमच। शहर को स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा रविवार को फव्वारा चौक स्थित सुभाष वाटिका में दो घंटे का श्रमदान किया गया। सुबह 7 से 9 बजे तक चले इस अभियान में संस्था के सदस्यों ने परिसर की साफ-सफाई कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने वाटिका परिसर में फैली प्लास्टिक, पॉलीथिन, पन्नियां एवं अन्य कचरे को एकत्रित कर बाहर निष्पादित किया। इसके अलावा पेड़-पौधों के आसपास उगी झाड़ियां, घास और खरपतवार हटाकर परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया। संस्था अध्यक्ष किशोर बागड़ी ने कहा कि बढ़ते तापमान और पर्यावरण असंतुलन का प्रमुख कारण पेड़ों की लगातार कटाई है। पेड़-पौधे ही हमें शुद्ध वायु, ऑक्सीजन और संतुलित वातावरण प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा अब तक नीमच शहर में पांच नगर वन एवं पांच से अधिक हरित वाटिकाओं का विकास किया जा चुका है, जिससे शहरवासियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने प्रत्येक शहर में अधिक से अधिक हरित क्षेत्र विकसित करने और जनभागीदारी से पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। श्रमदान अभियान में संस्था के सचिव दुलीचंद कनेरिया, कोषाध्यक्ष रमेश मोरे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव केशव सिंह चौहान, सुकुमार आगर सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। संस्था के उपाध्यक्ष राजकुमार सिन्हा ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

राज्यपाल गहलोत आज नीमच में

नीमच। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत आज 7 जुलाई 2026 मंगलवार को नीमच जिले के हार्कियाखाल स्थित श्री बालाजी मंदिर पहुंचकर दर्शन एवं पूजा-अर्चना करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार महामहिम राज्यपाल श्री गहलोत प्रात: 8:00 बजे नागदा से प्रस्थान करेंगे तथा प्रात: 10:30 बजे हार्कियाखाल पहुंचकर श्री बालाजी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना करेंगे। इसके उपरांत वे प्रात: 11:00 बजे नाथद्वारा के लिए प्रस्थान करेंगे।

10 जुलाई तक मांगे गए अभ्यावेदन

नीमच। जिले में कार्यरत ऐसे अतिथि शिक्षक, जो शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विशेष परिस्थितियों के कारण 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस सुनिश्चित नहीं कर पाए हैं अथवा जिनकी उपस्थिति 90 प्रतिशत से कम रही है तथा इस सत्र में री-ज्वाइनिंग नहीं हो सकी है, उनसे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा अभ्यावेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया, कि संबंधित अतिथि शिक्षक अपने आवेदन दस्तावेजी साक्ष्यों सहित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के ई-मेल *deonee-mp@nic.in* पर 10 जुलाई 2026 तक भेज सकते हैं। हार्डकॉपी स्वीकार नहीं की जाएगी, केवल ई-मेल से प्राप्त आवेदन ही मान्य होंगे। आवेदन के साथ महिला अतिथि शिक्षकों के मातृत्व अवकाश अथवा चाइल्ड केयर संबंधी कारण, प्रतियोगी या शैक्षणिक परीक्षा में सम्मिलित होने, नेटवर्क अथवा तकनीकी समस्या के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना होंगे। इसके अतिरिक्त यदि कोई अन्य विशेष कारण हो, तो उसका भी उल्लेख प्रमाण सहित किया जा सकता हैं।

इनरव्हील क्लब ऑफ मंदसौर दशपुर का शपथ ग्रहण समारोह

सोनम मेहता बनीं नई अध्यक्ष

मंदसौर। इनरव्हील क्लब ऑफ मंदसौर दशपुर का भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर क्लब की निवर्तमान अध्यक्ष नेहा संचेती ने नवनियुक्त अध्यक्ष सोनम मेहता को कॉलर पहनाकर अत्यंत आत्मीयता के साथ अपने पदभार का हस्तांतरण किया. कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि श्रीमती इंदु पंचोली द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई. समारोह के दौरान एक मनोरंजक क्विज कॉन्टेस्ट का भी आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया.

पदभार ग्रहण करने के पश्चात नई क्लब प्रेसिडेंट सोनम मेहता ने अपने संबोधन में सभी उपस्थित सदस्यों को विश्वास दिलाया कि वे अपने संपूर्ण दायित्वों को पूरी कर्तव्यनिष्ठा, सेवा भावना और ईमानदारी के साथ निभाएंगी. इसके साथ ही क्लब सेक्रेटरी सुरक्षा चौधरी ने आगामी सत्र के लिए क्लब के मुख्य लक्ष्यों और सेवा कार्यों की रूपरेखा को विस्तार से समझाया. उन्होंने बताया कि इस वर्ष क्लब की मुख्य थीम 'ग्रो एंड फ्लोरिश' रखी गई है, जिसके तहत पर्यावरण, सामाजिक विकास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में विशेष कार्य किए जाएंगे.

समारोह में नई कार्यकारिणी टीम की भी घोषणा की गई, जिसमें उपाध्यक्ष पद पर मीना पोरवाल, सह-सचिव पद पर सीमा हिंगड़, कोषाध्यक्ष पद पर राखी परवाल, आईएसओ के रूप में नेहा दोषी और एडिटर के रूप में शिखा गोयल को नियुक्त किया गया. इसके साथ ही क्लब की सलाहकार टीम में मेघा पोरवाल, पूजा बग्गा एवं रीना पोरवाल को शामिल किया गया है. बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के रूप में पीनल जैन, अनीता तलेरा, ऐना पोरवाल, श्रेया जैन, खुशबू छाबड़ा, निक्की नागर और प्रमिला जैन अपनी सेवाएं देंगे.

संगठन मजबूती व सामाजिक सुधारों के संकल्प के साथ क्षत्रिय डांगी समाज की बैठक संपन्न

▶ गांव-गांव चल रहा सदस्य जोड़ों अभियान

मंदसौर। अखिल भारतीय क्षत्रिय डांगी समाज संगठन को धरातल पर मजबूत बनाने के उद्देश्य से समाज द्वारा लगातार गांव-गांव जाकर सदस्य जोड़ो अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को निपानिया धाम, भोलिया, गुदियाना और सूर्य नगर (अफजलपुर) में समाज की महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों और प्रबुद्ध जनों ने शिरकत की, जहां संगठन को नई ऊर्जा देने और समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने का दृढ़ संकल्प लिया गया।

बैठकों को संबोधित करते हुए समाज के वरिष्ठ समाजजनों ने कहा कि पिछले कुछ समय से संगठन में जो शिथिलता आई है, उसे दूर कर समाज को पुन: जागृत किया जाएगा। ष्हम सुधरेंगे युग सुधरेगा, हम बदलेंगे युग बदलेगाष् के प्रगाढ़ विचारों के साथ संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि एक मजबूत संगठन के बल पर ही समाज में व्यसन मुक्ति, नशा मुक्ति और सात्विक आहार को बढ़ावा दिया जा सकता है। समाज में सही का साथ देने और गलत का पूर्णत: बहिष्कार करने की बात कही गई। इसके साथ ही, आगामी समय में समाज की प्रतिभाओं के हौसला अफजाई के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह और फिजूलखर्ची रोकने के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन जैसे अनेक रचनात्मक कार्यक्रमों के आयोजन पर भी विचार व्यक्त किए गए।

जिले में अब तक औसत 206.1 मि.मी. वर्षा दर्ज

नीमच। जिले में चालू वर्षाकाल के दौरान अब तक औसत 206.1 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में औसत 315.1 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख, नीमच से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से 6 जुलाई 2026 की प्रात: 8 बजे तक जिले की चारों तहसीलों में वर्षा का विवरण इस प्रकार है- नीमच में 229.0 मि.मी., जावद में 202.0 मि.मी., सिंगोली में 226.7 मि.मी. तथा मनासा में 167.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

गत वर्ष इसी अवधि में नीमच में 293.6 मि.मी., जावद में 330.0 मि.मी., सिंगोली में 437.0मि.मी. तथा मनासा में 200.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी। इसी प्रकार, 6 जुलाई 2026 को प्रात: 8 बजे तक बीते 24 घंटों में जिले में औसतन 4.7 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई। इस दौरान नीमच तहसील में 5.0 मि.मी., मनासा में 14.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई, जबकि जावद एवं सिंगोली तहसीलों में वर्षा दर्ज नहीं की गई।

परम स्पर्श चातुर्मास 2026 मंगल पत्रिका लेखन संपन्न

मंदसौर। स्थानीय राजेंद्र जयंत उपाश्रय जनकुपुरा में त्रिस्तुतिक श्री संघ के तत्वावधान में एक ऐतिहासिक और गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुण्य सम्राट आचार्य देवेश श्रीमद विजयजयंतसेन सुरीश्वर जी म.सा., पूज्य गच्छाधिपति गुरुदेव श्री नित्यसेन सुरीश्वर जी म.सा. एवं आचार्य श्री जयरत्न सुरीश्वर जी म.सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराज श्री प्रत्यक्षरत्न विजयजी म.सा. एवं पवित्ररत्न विजयजी म.सा. के आगामी 'परम स्पर्श चातुर्मास-2026' के अंतर्गत मंदसौर नगर में 20 जुलाई 2026 को होने वाले मंगल प्रवेश की कुमकुम मंगल पत्रिका का लेखन कार्य भक्तिभाव व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

इस मांगलिक कार्यक्रम की शुरुआत अखिल भारतीय त्रिस्तुतिक श्री संघ के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुरेंद्र लोढ़ा के मुख्य आतिथ्य एवं चातुर्मास समिति के अध्यक्ष श्री मनोहर सोनगरा की अध्यक्षता में हुई। अतिथियों द्वारा पूज्य गुरुदेव श्रीमद विजय राजेंद्र सुरीश्वर जी म.सा. एवं पुण्य सम्राट आचार्य देवेश श्री जयंत सेन सुरीश्वर जी म.सा. के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस पावन अवसर पर कुमकुम पत्रिका में 'जय जिनेंद्र' लिखाने का परम लाभ मनोहरलाल मनोज कुमार हर्ष कुमार बाफना परिवार ने लिया, जिनका उपस्थित अतिथियों द्वारा भावभीना बहुमान किया गया। संपूर्ण मांगलिक विधि-विधान को विधिकारक श्री निकित मेहता एवं महावीर मारू द्वारा कुशलतापूर्वक संपन्न कराया गया, जिसके पश्चात श्री संघ के वरिष्ठ जनों द्वारा दोनों विधिकारकों का भी विशेष बहुमान किया गया। इस हर्षपूर्ण अवसर पर श्री संघ की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिसमें वरिष्ठ सदस्य हस्तीमल चपरोत, मनोज बाफना, हरीश चपरोत, देवेन्द्र चपरोत, विजय सुराणा, पारस फाफरिया, प्रदीप हिंगड़, विजय चपरोत, रोहित संघवी, कमलेश सालेचा, जयेश डांगी, आदिश पोरवाल और रिधम नाहटा सहित श्री संघ के अनेक गणमान्य महानुभाव एवं महिला परिषद की सदस्याएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं।

मानसून सत्र में जनता के मुद्दे उठाएगी कांग्रेस, मांगे सुझाव

मंदसौर/नाहरगढ़। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने बताया कि मध्य प्रदेश विधानसभा का आगामी मानसून सत्र आगामी 20 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक आयोजित होने जा रहा है। हर बार की तरह इस बार भी कांग्रेस पार्टी सदन में प्रदेश की जनता, किसानों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों, आदिवासियों, दलितों और समाज के हर वर्ग से जुड़े मुद्दों को पूरी मजबूती के साथ उठाएगी तथा सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करेगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने बताया कि जनता के मुद्दों को सीधे सदन पटल पर रखने और सरकार को घेरने के लिए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक विशेष और सराहनीय अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत प्रदेश का कोई भी नागरिक क्षेत्रीय समस्याएं या जनहित के मुद्दों को सीधे कांग्रेस पार्टी

तक पहुंचा सकता है, जिन्हें नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा विधानसभा सत्र के दौरान प्रमुखता से उठाया जाएगा। आमजन अपने सुझाव, प्रश्न और जनहित से जुड़े विषय *WhatsApp* नंबर : 8269889419 और *EmailÑ umangsingharmp@gmail.com* पर सीधे भेज सकते हैं।

सचिव विनोद सेन ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा की गई इस पहल को बेहद सकारात्मक और स्वागत योग्य बताया है। उन्होंने कहा कि आपका एक छोटा सा सुझाव भी मध्य प्रदेश विधानसभा की आवाज बन सकता है। सेन ने प्रदेश की जनता से अपील की है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर अपना योगदान दें ताकि जन-जन की समस्याओं को सदन तक पहुँचाया जा सके। कांग्रेस पार्टी हर नागरिक की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

सेन ने आगे बताया कि विधानसभा में विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर सरकार को अपनी जवाबदेही तय करना होगी। सरकार विधानसभा में जनहित से जुड़े मुद्दों पर जवाब नहीं देना चाहती है और वह सदन से दूर भगाने की पूरी कोशिश में रहती है। लेकिन कांग्रेस पूरी ताकत के साथ सदन में जनहित के मुद्दों को उठाएगी और सरकार से जवाब मांगेगी।

नीमच

एक नजर में

सनसनीखेज प्रकरणों की समन्वय बैठक

नीमच। पुलिस कंट्रोल रूम, नीमच में पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास (आई.पी.एस.) की अध्यक्षता में चिन्हित, जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरणों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल, अभियोजन विभाग से एडीपीओ विवेक सोमानी, पारस मित्तल एवं सहायक ग्रेड मोहम्मद साजिद तथा पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा चिन्हित प्रकरणों के प्रभावी पर्यवेक्षण एवं समयबद्ध निराकरण हेतु प्रत्येक चिन्हित प्रकरण के लिए नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी की भूमिका को स्पष्ट करते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि थानेवार चिन्हित प्रकरणों का पृथक रजिस्टर निर्धारित प्रारूप में अद्यतन रूप से संधारित किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की प्रगति का नियमित रूप से अंकन किया जाए। पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देश दिए गए कि जिन नोडल अधिकारियों द्वारा चिन्हित प्रकरणों के रजिस्टर का समुचित संधारण नहीं किया जा रहा है, उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाए। वहीं जिन अधिकारियों द्वारा रजिस्टर का उत्कृष्ट एवं व्यवस्थित संधारण किया जा रहा है, उन्हें प्रशंसा-पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि चिन्हित प्रकरणों में दोषसिद्धि (सजा) होने पर संबंधित विवेचक, अभियोजन अधिकारी एवं संबंधित नोडल अधिकारी को प्रशंसा प्रदान की जाए। साथ ही प्रत्येक चिन्हित प्रकरण के प्रभावी अनुश्रवण, अभिलेखों के संधारण एवं आवश्यक समन्वय के लिए सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान एडीपीओ श्री पारस मित्तल द्वारा भी चिन्हित, जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरणों में प्रभावी पैरवी, अभियोजन एवं पुलिस के मध्य बेहतर समन्वय, साक्ष्यों के सुव्यवस्थित संकलन तथा समयबद्ध कार्रवाई के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बैठक में चिन्हित, जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरणों की नियमित समीक्षा, समयबद्ध विवेचना, साक्ष्यों के समुचित संकलन एवं अभियोजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रकरणों के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण पर विशेष बल दिया गया।

18 सूत्रीय मांगों को लेकर आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

नीमच। आशा, ऊषा एवं आशा पर्यवेक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश के आह्वान पर सोमवार को जिले की आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम कलेक्टर प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने वेतन भुगतान में हो रही अनियमितताओं, रुकी हुई वार्षिक वेतनवृद्धि, मानदेय में वृद्धि सहित 18 सूत्रीय मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आशा एवं आशा पर्यवेक्षक मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, टीकाकरण, स्वास्थ्य सर्वेक्षण, जनजागरूकता अभियान तथा विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा है और भुगतान प्रक्रिया में लगातार अनियमितताएं बनी हुई हैं।

त्वरित निराकरण की मांग की

ज्ञापन में वर्ष 2024 के लंबित एरियर का भुगतान, समय पर वेतन वितरण, ईपीएफ राशि जमा कराने, दुर्घटना एवं स्वास्थ्य बीमा सुविधा, सेवा सुरक्षा, दो जोड़ी ड्रेस, स्वेटर, रेनकोट और छाता उपलब्ध कराने सहित कई अन्य मांगें शामिल हैं। साथ ही बिना उचित कारण सेवा से पृथक नहीं किए जाने, विभागीय अधिकारियों द्वारा सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने तथा शिकायतों के त्वरित निराकरण की मांग भी की गई।

संयुक्त मोर्चा ने आरोप लगाया कि कई-कई महीनों तक वेतन लंबित रहता है। वर्ष 2023 से रोकी गई एक हजार रुपये की वार्षिक वेतनवृद्धि का भुगतान भी अब तक नहीं किया गया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वर्तमान में उन्हें मात्र 6 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता है, जो बढ़ती महंगाई के दौर में परिवार का भरण-पोषण करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने अन्य राज्यों की तर्ज पर मानदेय बढ़ाने की मांग भी उठाई।

इस दौरान जिले की बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता, आशा पर्यवेक्षक एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने कलेक्टर प्रतिनिधि के माध्यम से मुख्यमंत्री तक अपनी मांगें पहुंचाकर जल्द समाधान की मांग की।

निशुल्क नेत्र शिविर, 200 से अधिक मरीज पहुंचे, रेडक्रॉस-गोमाबाई नेत्रालय की पहल, निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा

नीमच। नीमच कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर सोमवार को जिला चिकित्सालय के समीप रेडक्रॉस भवन में एक निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। रेडक्रॉस सोसाइटी और गोमाबाई नेत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 200 से अधिक मरीजों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। उन्हें निशुल्क दवाइयां, चश्मे और ऑपरेशन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

रेडक्रॉस सचिव डॉ. स्वप्निल वाधवा ने बताया कि जांच अभियान सुबह 10 बजे शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चला। इसके बाद पंजीकरण बंद कर दिया गया, लेकिन पंजीकृत मरीजों की जांच देर तक जारी रही। शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शिविर में पहुंचे।

गोमाबाई नेत्रालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ ने मरीजों की आंखों की गहन जांच की।

नीमच की बेटियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बढ़ाया जिले का गौरव

नीमच। अशोकनगर में आयोजित 12वीं जूनियर राज्य स्तरीय सेपकटकरा प्रतियोगिता में नीमच जिले की बेटियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रेगु इवेंट में कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 3 से 5 जुलाई 2026 तक हुआ, जिसमें प्रदेश के 22 जिलों की टीमों ने भाग लिया।

नीमच जिले की ओर से रितु बोराना (पिता-उमराव सिंह बोराना), राधिका यादव और निशिका यादव ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है।

टीम की सफलता में कोच रितु बोराना का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके कुशल मार्गदर्शन, अनुशासित प्रशिक्षण और निरंतर मेहनत के बल पर खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

एक नजर | जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती बोले- प्रदेशभर में चरणबद्ध होगा आंदोलन

संतों-पुजारियों ने उठाई किसान जैसी सुविधाओं की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नीमच। अखिल भारतीय संत समिति धर्म समाज पुजारी इकाई, मध्यप्रदेश ने सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम कलेक्टर प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश के मठ-मंदिरों में सेवा देने वाले संतों एवं पुजारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में पुजारियों को किसान वर्ग के समान सुविधाएं उपलब्ध कराने, मंदिरों की भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कृषि योजनाओं का लाभ देने सहित कई महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं।

समिति ने बताया कि प्रदेश के

अनेक मठ-मंदिरों के संत एवं पुजारी धार्मिक सेवाओं के साथ कृषि कार्य भी करते हैं, लेकिन उन्हें किसानों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता। इसलिए किसानों की तरह संतों एवं पुजारियों को भी किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकें।

ज्ञापन में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी संतों एवं पुजारियों को दिए जाने की मांग की गई। समिति का कहना है कि अधिकांश पुजारी खेती से जुड़े होने के बावजूद इन योजनाओं से वंचित हैं, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इसके अलावा संतों एवं पुजारियों के लिए फार्मर आईडी और ई-टोकन प्रणाली लागू करने की मांग भी रखी गई, ताकि उन्हें खाद, बीज और कृषि से जुड़ी अन्य सुविधाएं किसानों की तरह आसानी से मिल सकें।